बरसात के मौसम में गोपालन हेतु सलाह

शीर्षक: "बरसात के मौसम में गोपालन के दौरान पशुओं को स्वस्थ रखने और दूध उत्पादन बनाए रखने के लिए निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें:"

🌧️ **मुख्य सावधानियाँ**

- **सूखा एवं साफ़ पशुशाला रखें:** पानी जमा न होने दें, फर्श सूखा और फिसलन रहित रखें।
- **उचित जल निकासी:** वर्षा का पानी तुरंत बाहर निकलने की व्यवस्था करें।
- **स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराएं:** पशुओं को हमेशा साफ़ और ताज़ा पानी पिलाएं।
- **संतुलित एवं स्वच्छ आहार दें:** फफूंद लगी या सड़ी-गली खुराक न खिलाएं; हरा चारा साफ़ करके दें।
- **खनिज मिश्रण एवं नमक दें:** प्रतिदिन दें ताकि रोग प्रतिरोधक क्षमता बनी रहे।
- **टीकाकरण समय पर कराएं:** गलघोंटू (HS), लंगड़ा बुखार (BQ) आदि रोगों के टीके लगवाएं।
- **कृमिनाशक दवा दें:** पशु चिकित्सक की सलाह अनुसार नियमित कृमिनाशन करें।
- **मच्छर एवं मक्खियों से बचाव करें:** पशुशाला की सफाई और कीट नियंत्रण करें।
- **खुरों की देखभाल करें:** खुरों को साफ़ रखें और कीचड़ में अधिक देर तक न रखें।
- **बीमार पशु को अलग रखें:** बुखार, दस्त, खांसी या भूख कम होने पर तुरंत अलग करें और चिकित्सक से संपर्क करें।
- **दूध दुहते समय स्वच्छता रखें:** थनों को दुहने से पहले और बाद में साफ़ करें; लाल पोटास घोल का उपयोग करें।
- **पर्याप्त वेंटिलेशन रखें:** ताज़ी हवा का आवागमन बना रहे, पर ठंडी हवा या बारिश सीधे पशुओं पर न पड़े।